

राधा मोहन सिंह
RADHA MOHAN SINGH



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF AGRICULTURE
& FARMERS WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

D.O. No. 1589/AM

13 JUL 2016

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि जलवायु परिवर्तन, टिकाऊ विकास एवं सार्वजनिक नेतृत्व के लिए राष्ट्रीय परिषद (NCCSD) एवं आणंद कृषि विश्वविद्यालय, आणंद द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 14-16 अक्टूबर, 2016 को "जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में खाद्य, जल एवं ऊर्जा का आपसी सम्पर्क" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से पता चला है कि जलवायु से होने वाले परिवर्तनों का इस सदी के उत्तरार्द्ध में विशेषकर कृषि पर व्यापक प्रभाव पड़ने की संभावना है। जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलनता का तात्पर्य प्रतिकूल एवं अनपेक्षित पर्यावरण परिस्थितियों को कम करने की क्षमता और इसके कारण विगत में पड़े नकारात्मक प्रभावों को प्रभावी ढंग से कम करना है। व्यापक कृषि अर्थव्यवस्था वाले भारत जैसे विकासशील देश के लिए जलवायु भिन्नता के प्रति कृषि को अनुकूल बनाकर अपनी विशाल जनसंख्या के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर इसके न्यूनीकरण प्रयासों में योगदान करने की चुनौती भी बनी हुई है।

मुझे विश्वास है कि जलवायु परिवर्तन जैसे सारगर्भित एवं प्रासंगिक विषय पर आयोजित उक्त सम्मेलन में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कृषि विशेषज्ञों, हितधारकों एवं किसानों के बीच गहन विचार-मंथन होगा जिससे इस मुद्दे पर नई रणनीतियां बनाने में मदद मिलेगी।

सम्मेलन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं।


(राधा मोहन सिंह)